में मार्च 1973 में इसे पटना, बिहार में ले जाया गया जबकि बिहार में दरभंगा जिले में संगीत तथा नाटक प्रभाग का एक केन्द्र पहले ही विद्यमान है ;

(ख) यदि हां, तो इस केन्द्र को भोपाल ले ले जाने के क्या कारण हैं , और

(ग) क्या सरकार का विचार राज्य की आवश्यकताओं तथा लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए संगीत तथा नाटक प्रभाग के केन्द्र की दोबारा मध्य प्रदेश मे स्थापना करने का है , और यदि हां, तो कब ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगवीर सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) 1973 मे सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि दिल्ली मे स्थित मण्डलियो को उनके कार्य-क्षेत्र के निकट के केन्द्रो मे स्थानान्तरित कर दिया जाए । तदनुसार, यह निर्णय लिया गया था कि उत्तर प्रदेश और बिहार की विभागीय नाटक मण्डली को, जो उस समय दिल्ली मे स्थित थी, दिल्ली से पटना में स्थानांतरित कर दिया जाए । यह महसूस किया गया था कि चूंकि उत्तर प्रदेश और बिहार की विभागीय मण्डलियो के मुख्यालयो को दिल्ली से पटना मे स्थानांतरित किया जा रहा है, अत भोपाल कार्यालय के मुख्यालय को भी बेहतर प्रशासनिक नियंत्रण हेतु पटना मे स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए ।

(ग) भोपाल मे एक केन्द्र स्थापित करने की योजना सरकार के सक्रिय रूप से विचाराधीन है ।

Setting up Industries in Katihar and Financial Assistance to them

6595 SHRI YURAJ: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Katihar district of Bihar is a backward district;

(b) the Planning Commission have decided to provide government assistance for setting up industries in backward areas as per Janata Government's Policy regarding rural industrialization, and

(c) if so, the names of industries proposed to be set up in Katihar and the time by which these industries are likely to be set up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) The old Purnea district of Bihar which has since been bifurcated into Purnea and Katihar districts, has been identified as industrially backward to qualify for concessional finance facilities

(b) The Planning Commission have declared 247 district in the country as industrially backward to qualify for concessional finance facilities Out of these 247 districts, 101 district areas have been identified to qualify for 15 per cent Central Investment Subsidy

(c) One industrial licence has been issued to M/s Kalyan Industrial Corporation, Calcutta for the manufacture of Conductors above 19 strands Two letters of Intent have also been issued to the following industries for the manufacture of items shown against them —

1	Shri Prabhat Kiran Lakshampur P O Jamalpur-District Monghyr	Oxygen Gas
2	Shri Vinod Kumar Chamaria P-38, India Exchange Place Clacutta	Wrapping & Packing Papers, 6000 Tonnes

प्रोड्यूसरों तथा प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव के कार्य

6595. श्री टी० एस० नेगी : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 15 मार्च, 1978 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3078 के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किसी केन्द्र विशेष मे प्रोड्यूसर की नियुक्ति का मानदण्ड क्या है और उसे किस अवस्था मे नियुक्त किया जाता है ;

(ख) क्या यह सच है कि अपनी कला में निपुण होने के कारण प्रोड्यूसर ऐसा कार्य कर सकता है जो प्रोगाम एग्जीक्यूटिव नहीं कर कर सकता ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्रों में गत छह महीनों के दौरान प्रोड्यूसरों की नियुक्ति के लिए इसलिए साक्षात्कार किये गये थे क्योंकि इन यूनिटों के लिए प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव उपलब्ध नही थे ; और

(घ) दिल्ली में गत दो वर्षों के दौरान पदोन्नत किये गये प्रोग्राम एग्जीक्यूटिवों को क्या विशेष अर्हताएं हैं तथा क्या उन्हें इस कार्य क्षेत्र का व्यापक ज्ञान है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण अडवाणी) : (क) किसी केन्द्र पर प्रोग्राम अधिकारियों की संख्या का निर्धारण कर्मचारी निरीक्षण यूनिट द्वारा निर्धारित मानदण्ड के अनुसार किया जाता है। प्रोग्राम अधिकारियों में प्रोड्यूसर और प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव दोनों ही शामिल हैं। प्रोड्यूसरों के पद केन्द्र की आवश्यकताओं के अनुसार मंजूर किये जाते हैं। प्रोड्यूसरों को निर्धारित अर्हताएं पूरी करने वाले सभी श्रेणियों के स्टाफ आर्टिस्टों में से शत प्रतिशत सीमित चयन द्वारा, इसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा, नियुक्ति किया जाता है ।

(ख) जी, नहीं। प्रोड्यूसरों और प्रोग्राम एग्जीक्यूटिवों दोनों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी न किसी क्षेत्र विद्या में विशेषज्ञ हों और वे एक सा कार्य करते हैं सिवाय इसके कि प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव, नियमित सरकारी कर्मचारी होने के नाते, प्रशासनिक कार्य भी करते हैं ।

(ग) आकाशवाणी, नई दिल्ली के विदेश सेवा प्रभाग मे प्रोड्यूसर के पद के लिए 27 फरवरी, 1978 को इण्टरव्यू लिया गया था ; परन्तु यह सही नहीं है कि यह प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव के उपलब्ध न होने के कारण लिया गया था ;

(घ) प्रोग्राम एग्जीक्यूटिवों की सहायक केन्द्र निदेशक के पद पर पदोन्नति भर्ती नियमों के अनुसार उनकी अखिल भारतीय वरिष्ठता के आधार पर की जाती है, न कि केन्द्र-वार। दिल्ली के लिए सहायक केन्द्र निदेशक की कोई अलग से भर्ती नहीं की गई ।

बी० एच० ई० एल० खैलार (झांसी) के विस्तार के लिए पांच करोड़ रुपया

6597. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने बी०एच०ई०एल० कारखाने, खैलार, (झांसी) के विस्तार के लिए पांच करोड रुपए और मजूर किये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या इसका विस्तार खैलार से लगे हुए मध्य प्रदेश के टीकमगढ जिले की सीमा ओरछा की ओर किया जाएगा और क्या इसके लिए और अधिक धनराशि देने का विचार है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती प्रभा मयती) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ·

Expenditure incurred on Director, CSIO, Chandigarh

6598. **SHRI DINEN BHATTACHARYA**: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) how much expenditure has been incurred on TA/DA of the Director, Central Scientific Instruments Organisation, Chandigarh (a CSIR Lab.) during the last four years including the expenditure on his visits abroad;

(b) how much expenditure has been incurred on the journeys undertaken